कैकेयी का चरित्र सिर्फ खलनायिका का प्रतीक नही वह नियति की सहयोगी भी थी - पूज्य उद्धवदास जी

पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने व्यास पीठ पर विराजित बाबा का अभिनन्दन कर आशीर्वाद लिया

आष्टा। रामकथा के गूढ़ अर्थो को उद्घाटित करती नगर के सैंधव छात्रावास में चल रही रामकथा में कैकेयी प्रसंग विशेष चर्चा का केंद्र रहा। व्यास पीठ से प्रवचन करते हुए पूज्य उद्धवदास जी त्यागी बाबा ने कहा कि कैकेयी की संगति उसकी कुटिल दासी मंथरा से थी जिसका परिणाम यह हुआ कि लोक व्यवहार में कैकेयी को केवल दोष के चश्मे से देखा जाता है स्त्रियों के नाम करण में प्रायः मंथरा और कैकेयी नाम से परहेज किया जाता है लेकिन कैकेयी के सिर्फ एक ही पक्ष को उष्दृत करना रामकथा की आत्मा को संकुचित करना है। उन्होंने कहा कि कैकेयी वह पात्र हैं जिनके निर्णय से राम मर्यादा पुरुषोत्तम बने और लोकधर्म की स्थापना संभव हुई। कैकेयी सिर्फ खलनायिका नही बल्कि नियति की सहयोगी भी थी उनकी दासी मंथरा भी राजनीतिक यथार्थ को पहचानने वाली स्त्री थी। त्यागी बाबा ने कथा के दौरान कहा कि जिस प्रकार कलयुग में धर्म सरल नहीं रहा, उसी प्रकार त्रेता में भी धर्म को प्रतिष्ठित करने के लिए कठोर निर्णय आवश्यक थे। कैकेयी का वरदान मांगना व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं, बल्कि ईश्वरीय लीला का वह चरण था जिसने रामकथा को पूर्णता दी। कैकेयी सिर्फ दोषिनी ही नही थी बल्कि वह उस कथा की कीमत है जिसे हम राम कथा कह कर पूजते हैं । पूज्य त्यागी बाबा ने कहा कि राक्षस वध के लिये भी राम का वनगमन जरूरी था कैकेयी जानती थी कि रावण की आयु चौदह वर्ष ही शेष थी इसीलिए उन्होंने राम के लिए पूरे चौदह वर्ष का वनवास मांगा था उनके इस विवेचन को श्रोताओं ने भाव-विभोर होकर श्रवण किया। कथा श्रवण के पहले पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कैलाश परमार ने व्यास पीठ पर विराजित कथा वाचक पूज्य त्यागी बाबा का पुष्पमाला से अभिनंदन किया। कथा वाचक बाबा उद्धवदास जी ने दुपट्टा ओढ़ाकर श्री परमार को आशीर्वाद प्रदान किया। रामकथा के इस प्रसंग में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा स्थल के आध्यात्मिक वातावरण में कैलाश परमार सहित प्रबुद्ध श्रोताओं ने कैकेयी प्रसंग पर बाबा के विचारों को नई दृष्टि देने वाला बताया। आयोजक गण जीवन सिंह शोभाखेड़ी, नारायण सिंह पूर्व प्राचार्य, पुष्पेंद्र सैंधव, भोलूसिंह ठाकुर, सोभालसिंह मुगली, कृपाल सिंह पटाडा, ओंकारसिंह ठाकुर, सोभालसिंह बागेर, मांगीलाल ठाकुर, जगन्नाथ सिंह जी साब, जीवनसिंह अरनिया जौहरी, राम ठाकुर आदि ने आगामी 6 फरवरी तक चलने वाली कथा की व्यापक व्यवस्था की है ।

व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत विद्यार्थियों ने किया कलमोदिया कृषि फार्म मटेवा का औद्योगिक भ्रमण

मोहन बड़ोदिया// शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिमाचौहान जिला राजगढ़ के एग्रीकल्चर व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत ट्रेड कृषि एवं इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर के छात्र छात्राओं को ग्राम मटेवा स्थित कलमोदिया कृषि फार्म जेविक एवं प्राकृतिक खेती का औद्योगिक भ्रमण संपन्न करवाया गया।इस महत्वपूर्ण औद्योगिक भ्रमण का नेतृत्व एग्रीकल्चर शिक्षक सुनील दांगी द्वीष्ठ्ष शिक्षक गिरीराज शर्मा,व कक्षा11 के छात्र छात्राओं द्वारा किया गया। औद्योगिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य के अनुरूप कलमोदिया कृषि फार्म मटेवा के हेड किशोरी लाल कलमोदिया के द्वारा विद्यार्थियों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती व तकनीक,औद्योगिक एवं कृषि क्षेत्र मे हो रहे नवीनतम नवाचारों,प्रयोगो एवं कार्यप्रणालियों से अवगत करना था।और जैविक हल्दी धनिया सरसो गेहूं कुशम आदि फसलों का भी अवलोकन करवाया साथ ही किशोरी लाल कलमोदिया ने विद्यार्थियों को वर्मिकोम्पोस्ड खाद, जीवामृत तथा जैविक खेती एवं विभिन्न विभागों के साथ नावंकुर संस्था कृषि जगत प्रणाली वाटरशेड फार्मर प्रोडयूसर कंपनी लिमिटेड़ ष्टष्ट सेन्टर पर मिया वाकी प्लानटेसन पौधो की नर्सरी का अवलोकन करवाकर साथ ही कृषि जगत प्रणाली के डायेक्टर ने प्रकृति व पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने जल संरक्षण व प्रकृति को किस प्रकार सुन्दर बाना है इस प्रकार विभिन्न उपायो के बारे में जानकारी प्रदान की और विद्यार्थियों द्वारा व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त किया।एवं अपने विषयो से संबंधित वास्तविक कार्यस्थल को नजदीक से समझने का अवसर पाया। यह एग्रीकल्चर औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान विस्तार,अनुभव वृद्धि और भविष्य करियर निर्माण के लिए सार्थक बनेगा।

आष्टा सिविल अस्पताल में आयुष्मान इनसेंटिव घोटाला, 46 लाख की राशि में हेराफेरी का आरोप

डॉक्टरों-कर्मचारियों की प्रोत्साहन राशि रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर, पूर्व डॉक्टर के पत्र से खुला मामला, राजधानी तक पहुंची जांच

आष्टा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना की इनसेंटिव प्रोत्साहन राशि आष्टा सिविल अस्पताल में कथित महाघोटाले की भेंट चढ़ गई। योजना के अंतर्गत डॉक्टरों, नर्सों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को दी जाने वाली लगभग 45 से 46 लाख रुपये की राशि कथित रूप से जिम्मेदारों द्वारा अपने परिजनों और रिश्तेदारों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई। मामले का खुलासा एक पूर्व पदस्थ डॉक्टर के पत्र के बाद हुआ, जिसके बाद यह प्रकरण राजधानी भोपाल तक पहुंच गया है और शीघ्र प्रभावी कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार यह कथित खेल बीते 6 से 7 वर्षों से मिलीभगत के साथ लगातार चलता रहा। आयुष्मान योजना के पोर्टल का पासवर्ड केवल बीएमओ के पास होता है, इसके बावजूद यह पासवर्ड अन्य कर्मियों तक कैसे पहुंचा या दिया गया, यह जांच का महत्वपूर्ण विषय है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पूर्व आयुष्मान मित्र जगदीश मेवाड़ा एवं स्टोर प्रभारी प्रमोद परमार द्वारा अपने परिजनों और सगे संबंधियों के खातों में इनसेंटिव राशि ट्रांसफर की गई।

गौरतलब है कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत पात्र मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जाता है। इस दौरान इलाज, ऑपरेशन, नर्सिंग सेवा एवं दवा वितरण में लगे डॉक्टरों, नर्सों और स्टाफ को शासन द्वारा इनसेंटिव राशि दी जाती है। बताया जा रहा है कि सिविल अस्पताल आष्टा में पदस्थ लगभग 6 डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों को कई वर्षों से इस योजना की प्रोत्साहन राशि नहीं मिली, न ही उनके खातों में कोई भुगतान किया गया।

हाल ही में सिविल अस्पताल आष्टा में पदस्थ रहे शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. ए.के. जैन को जब योजना की इनसेंटिव राशि प्राप्त नहीं हुई, तब उन्होंने बीएमओ को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। इस दौरान एक परिचित द्वारा उन्हें जानकारी दी गई कि उनके नाम से लगभग 17 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी हो चुकी है। जब डॉ. जैन ने स्पष्ट किया कि उन्हें यह राशि प्राप्त नहीं हुई, तब इस पूरे घोटाले का भंडाफोड़ हुआ।

सूत्रों का कहना है कि जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के जिम्मे इनसेंटिव राशि को वास्तविक हितग्राहियों के खातों में भेजने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने ऐसा न करते हुए अपनी पत्नियों, सगे संबंधियों एवं रिश्तेदारों के खातों में यह राशि ट्रांसफर कर दी। इस घोटाले में केवल एक व्यक्ति की संलिप्तता संभव नहीं मानी जा रही है। सवाल यह भी उठ रहा है कि इस पूरे प्रकरण में आष्टा से लेकर सीहोर और भोपाल तक किन-किन की भूमिका रही।

मामले के उजागर होने के बाद सोशल मीडिया पर यह भी चर्चा शुरू हो गई है कि आयुष्मान योजना में इसी प्रकार की गड़बड़ियां जावर क्षेत्र में भी हुई हैं। लोगों की मांग है कि जांच के दायरे में आष्टा के साथ-साथ जावर को भी शामिल किया जाए। प्रकरण सामने आते ही सिविल अस्पताल आष्टा के बीएमओ डॉ. अमित माथुर ने लगभग 47 लाख रुपये के इस कथित घोटाले की जानकारी सीएमएचओ सीहोर को दे दी है।

इनका कहना है— आयुष्मान योजना की इनसेंटिव प्रोत्साहन राशि में गड़बड़ी की जानकारी आष्टा सिविल अस्पताल के बीएमओ डॉ. अमित माथुर ने दी है। इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जा रही है। जांच दल का गठन भी वहीं से किया जाएगा। **— डॉ. सुधीर डेहरिया, सीएमएचओ, सीहोर**

राष्ट्रीय पत्रकार सम्मान एवं कल्याण महोत्सव 2026 मैं रिजवान सम्मानित

बाकानेर सैयद अखलाक अली। पत्रकारिता के सम्मान, जनहित के मूल्यों और संगठित एकता के विराट संकल्प के साथ भारतीय पत्रकार संघ 'एआईजे' के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय पत्रकार सम्मान एवं कल्याण महोत्सव्ङ्क2026 ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के पत्रकार जगत में एक नई चेतना, नया आत्मविश्वास और नया इतिहास रच दिया। अभ्युदय यूनिवर्सिटी कैंपस, खरगोन में संपन्न इस भव्य आयोजन में देशभर से 1000 से अधिक पत्रकारों की ऐतिहासिक उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब पत्रकार संगठित होते हैं, तो वह केवल समाचार नहीं रचते, बल्कि इतिहास का निर्माण करते हैं। यह आयोजन पत्रकारिता को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि लोकतंत्र का प्रहरी, राष्ट्र निर्माण का आधार और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त माध्यम मानने वाली विचारधारा का जीवंत प्रमाण बना।

दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ शुभारंभ- कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर पत्रकारिता को ज्ञान, विवेक और सत्य के मार्ग पर अग्रसर रखने का सामूहिक संकल्प लिया गया। इस पावन क्षण ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक भाव से भर दिया।

स्वागत उद्बोधन ¬एआईजे का 12 वर्षों का स्वर्णिम सफर- अतिथियों के स्वागत के पश्चात भारतीय पत्रकार संघ 'एआईजे' के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सेन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि ÷भारतीय पत्रकार संघ 'एआईजे' पिछले 12 वर्षों से निरंतर पत्रकार हितों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।÷ यह आयोजन एआईजे का 555वां वृहद आयोजन है, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। संगठन देश के 575 से अधिक जिलों में सक्रिय रूप से पत्रकारों के हित में कार्य कर रहा है। पत्रकारों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक कल्याण हेतु 27 से अधिक उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों एवं अस्पतालों के साथ एमओयू किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ÷आज एक साधारण से व्हाट्सएप आमंत्रण पर 1000 से अधिक पत्रकार साथियों की उपस्थिति यह सिद्ध करती है कि एआईजे पर पत्रकार समाज का अटूट विश्वास है। यह विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।÷

प्रमुख वक्ता ¬एआईजे के संघर्ष और सफलता की सुनहरी यात्रा- कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता, लोकप्रिय खोजी पत्रकार श्री पुष्पेंद्र वैद्य ने एआईजे के संघर्षपूर्ण, प्रेरणादायक और गौरवशाली सफर पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ÷एआईजे ने उस समय पत्रकारों के लिए आवाज़ उठाई, जब वे असंगठित, असुरक्षित और उपेक्षित थे।÷ आज एआईजे पत्रकारों के लिए सम्मान, सुरक्षा और सेवा का सबसे बड़ा राष्ट्रीय मंच बन चुका है। उन्होंने पत्रकारों से आह्वान किया कि ÷संगठित पत्रकारिता ही भविष्य की मजबूत पत्रकारिता है। एआईजे इस दिशा में एक सशक्त स्तंभ बनकर खड़ा है।÷ कार्यक्रम संरक्षक का उद्बोधन ¬ एआईजे को बताया देश का सबसे बड़ा हितैषी संगठन कार्यक्रम संरक्षक, श्री क्रांति चतुर्वेदी, समूह संपादक, नवभारत ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में एआईजे की खुले मंच से सराहना की। उन्होंने कहा एआईजे आज देश का सबसे बड़ा पत्रकार हितैषी संगठन बन चुका है। यह संगठन केवल बातें नहीं करता, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करता है। उन्होंने एआईजे के संस्थापक अध्यक्ष श्री विक्रम सेन की कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और टीम भावना की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि ÷विश्वास की नींव पर खड़ा संगठन ही लंबे समय तक टिकता है और एआईजे इसका श्रेष्ठ उदाहरण है।÷

जनप्रतिनिधियों की सहभागिता ¬ पत्रकारों के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प गौरव अतिथि श्री हीरालाल अलावा, विधायक एवं जयस संरक्षक ने एआईजे के आयोजन में उपस्थित होना अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा कि ÷पत्रकार लोकतंत्र की आत्मा हैं और उनके हितों के लिए मैं सदैव प्रतिबद्ध रहूंगा।÷ विशिष्ट अतिथि श्री केदार डावर, विधायक ने कहा कि।÷उन्होंने अपने 40

साल के सार्वजनिक जीवन में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में पत्रकारों को एक मंच पर देखा है।÷ यह दृश्य सुखद आश्चर्य और प्रेरणा से भर देने वाला है। उद्घाटन कर्ता अतिथि श्री बालकृष्ण पाटीदार, विधायक खरगोन ने कहा कि ÷350 से अधिक वाहनों में पत्रकारों का यह ऐतिहासिक जमावड़ा खरगोन के इतिहास में अविस्मरणीय है।÷

वरिष्ठ पत्रकारों की अनुभूति और मार्गदर्शन- वरिष्ठ संपादक श्री हेमंत पाल ने पत्रकारिता के सुव्यवस्थित विकास में एआईजे की भूमिका की जमकर प्रशंसा की। वरिष्ठ पत्रकार श्री तेजकुमार सेन ने अपने चिर-परिचित अंदाज़ में पत्रकारों से लेखन के साथ-साथ संगठित एकता की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि का वक्तव्य ¬ कठिन परिस्थितियों में पत्रकारिता की प्रशंसा- मुख्य अतिथि एवं डिजियाना न्यूज चैनल के एडिटर-इन-चीफ ने पत्रकारों की कठिन परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि ÷आज पत्रकार अनेक बंदिशों, दबावों और चुनौतियों के बीच काम कर रहे हैं। इसके बावजूद पत्रकारों का राष्ट्रीय प्रेम और कर्तव्य बोध प्रशंसनीय है।÷ उन्होंने एआईजे के निरंतर प्रयासों को ÷दमदार, जानदार और सार्थक÷ बताते हुए मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

आध्यात्मिक सान्निध्य ¬ पत्रकारिता को राष्टभक्ति का स्वरूप- कार्यक्रम के पावन सान्निध्य दाता त्रिकालदर्शी श्री रामलला सरकार, अयोध्या ने विशाल संख्या में पत्रकारों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा ÷पत्रकार अपने समय का दान राष्ट्र के लिए करते हैं। यह कार्य राष्टभक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है।÷ उन्होंने एआईजे के आयोजन को पत्रकार जगत की ऐतिहासिक विजय बताया।

घोषणाओं की सौगात ¬ पत्रकारों के लिए कल्याणकारी पहल- इस अवसर पर अभ्युदय यूनिवर्सिटी, खरगोन संकुश हॉस्पिटल रतलाम, रक्षा हॉस्पिटल खरगोन, एसएमएस हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ मृदंग भावसार, अहमदाबाद, पारुल यूनिवर्सिटी गोवा, मिलेनियम इन्फ्रा इंदौर सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा पत्रकार हित में उल्लेखनीय घोषणाएं की गईं। वरिष्ठ एंकर पारुल केशवानी ने अपने उद्बोधन में इस आयोजन को जीवन का सबसे सार्थक आयोजन की उपमा दी। इन घोषणाओं में चिकित्सा सुविधा, शिक्षा, सहयोग एवं अन्य कल्याणकारी योजनाएं शामिल रहीं। सम्मान समारोह ¬ पत्रकारों और विशिष्ट अतिथियों का भव्य अभिनंदन कार्यक्रम में सैयद रिजवान अली,अनिल जैन योगेश जखमी जयप्रकाश सेन,विश्वदीप मिश्रा संदीप जाजमें अशोक जैन नवीन प्रजापत,श्री केवट ,दिलीप तंवर,लोकेंद्र जाधव, शिवाजी चौहान,सहित 1000 से अधिक पत्रकारों को बैज, माला, पुष्पवर्षा, सम्मान ट्रॉफी एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साधना न्यूज चैनल की ओर से एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किए गए। अभ्युदय यूनिवर्सिटी के होनहार विद्यार्थियों को भी मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में अभ्युदय यूनिवर्सिटी के कुलपति विक्रम सिंह परमार और डायरेक्टर स्वप्निल जी कोठारी का विशेष सहयोग रहा। मंचासीन विशिष्ट अतिथियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का भी गरिमामय सम्मान किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एआईजे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीजुद्दीन शेख ने सभी पत्रकार साथियों, अतिथियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ÷आप सभी का सहयोग ही एआईजे की सबसे बड़ी ताकत है।÷

प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री सहित राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज शेख़, युवा विंग के नेशनल चेयरमैन संदीप जैन, युवा राष्ट्रीय सचिव रंजीत ठाकुर, राष्ट्रीय महासचिव मनोहर मंडलोई, राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एम एस शेख, राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष किरण कुमार गोगोई, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव एवं राजेंद्र अग्रवाल, प्रदेश संयोजक राकेश साहू सहित सभी प्रदेश जिला पदाधिकारियों एवं ब्लॉक स्तर के साथियों के विशेष सहयोग से यह आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर लाइव प्रसारण हेतु डिजीयाना न्यूज चैनल के एडिटर इन चीफ सुरेश पटेल और श्याम कुशवाह प्रदेश उपाध्यक्ष एआईजे का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम संयोजन आमिर शेख़ ने किया । सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, जिला एवं ब्लॉक स्तर के कार्यकर्ताओं के सामूहिक सहयोग से यह आयोजन ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। लाइव प्रसारण में डिजियाना न्यूज चैनल की टीम का विशेष योगदान रहा। एआईजे राष्ट्रीय संगठन सचिव भूपेन्द्र जादौन ने बताया कि राष्ट्रीय पत्रकार सम्मान एवं कल्याण महोत्सव 2026 केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पत्रकारिता की एकता, सम्मान और कल्याण का राष्ट्रीय आंदोलन बनकर उभरा। भारतीय पत्रकार संघ 'एआईजे' ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि जब नीयत साफ हो, उद्देश्य स्पष्ट हो और संगठन मजबूत हो तो परिवर्तन निश्चित होता है।

किसान ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। बैरसिया इलाके में एक किसान ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार ग्राम निदानपुर निवासी 40 वर्षीय धर्मेंद्र यादव पेशे से खेती किसानी का काम करता था। उसके बच्चे बैरसिया में पढ़ते हैं, जिसके चलते वह बैरसिया स्थित पुरानी कलारी के पीछे स्थित मकान में रह रहा था। बीते दिनों पत्नी बच्चों को लेकर अपने मायके खजूरी चली गई थी। बीती सुबह करीब दस बजे पड़ोसी ने मोटल पंप लेने के लिए धर्मेंद्र का दरवाजा खटखटाते हुए आवाज लगाई। लेकिन दरवाजा नहीं खुला तब पड़ोसी ने उसे फोन लगाया। जब उसने फोन रिसीव नहीं किया तब पड़ोसी ने उसकी पत्नी को फोन लगाकर जानकारी दी। शाम करीब चार बजे पत्नी घर पहुंची और दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। उसके बाद पत्नी ने अपने जेठ को बुलाया। काफी कोशिशो के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तब आसपास के लोगों की मदद से उसे तोड़ा गया। अंदर जाकर देखने पर धर्मेंद्र का शव फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। सूचना मिलने पर ते पहुंची पुलिस ने जाँच के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेज दिया। पुलिस का कहना है कि फिलहाल आत्महत्या का कारण साफ नहीं हो सका है। आगे की जाँच में परिजनों के बयान दर्ज होने पर ही सही कारणो का खुलासा हो सकेगा।

आठवीं के छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी- भोपाल। पिपलानी इलाके में आठवीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार छत्रसाल नगर में रहने वाला 14 वर्षीय अंश साहू आठवीं कक्षा का छात्र था। उसके माता-पिता प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। छत्रसाल नगर में ही अंश का ननिहाल है। पिछले दिनों उसने नानाजी की मौत हो गई थी। सोमवार की को नाना की तेहरवीं का कार्यक्रम होने के चलते परिवार के सभी लोग वहाँ गए थे, जबकि अंश घर में ही रुक गया था। दोपहर के समय परिजन उसे लेने के लिए आए तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। रिश्तेदारों व पड़ोसियों की मदद से दरवाजे को खोला गया। अंदर जाकर देखा तो अंश फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। परिजनों ने उसे फौरन ही फंदे से उतारकर इलाज के लिये निजी अस्पताल लेकर पहुचें जहां पर डॉक्टर ने अंश को मृत घोषित कर दिया।

छत्तीसगढ़ को देश का अनुकरणीय आदर्श राज्य बनाने हेतु सर्व समाज मिलकर निभाएंगे दायित्व

रायपुर। मसन्द सेवाश्रम रायपुर के तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, जिन्हें छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता भी कहा जाता है, की जन्म शताब्दी अंतर्गत ÷छत्तीसगढ़ को देश का अनुकरणीय आदर्श राज्य बनाने के उपाय÷ विषय पर सिंधु पैलेस शंकरनगर में रायपुर निवासी आदिवासी, सतनामी, अन्य पिछड़ा वर्ग, ब्राह्मण, सिंधी, पंजाबी, गुजराती, मारवाड़ी, मराठी, उड़िया, उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय समाज के प्रतिनिधियों का एक सम्मेलन महात्मा गांधी पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया।

सम्मेलन का उद्घाटन रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने किया और इसकी अध्यक्षता सम्मेलन के आयोजक मसन्द सेवाश्रम के पीठाधीश साईं जलकुमार मसन्द साहब ने की। साईं मसन्द साहब वर्तमान में ÷परम धर्म संसद 1008÷ के संगठन मंत्री हैं, जो ज्योतिर्मठ के पूज्य शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज द्वारा देश के चारों शंकराचार्यों के नेतृत्व में गठित 108 देशों का एक अंतरराष्ट्रीय हिंदू संगठन है। इस अवसर पर जाने-माने राज्य निर्माण आंदोलनकारी डॉ. उदयभान सिंह चौहान को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी, रायपुर की राष्ट्रीय ख्यातिनाम समाजसेवी संस्था ÷बढ़ते कदम÷ के संयोजक इन्द्र कुमार डोडवाणी, पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत के अध्यक्ष, नगर निगम के संस्कृति विभाग प्रमुख, पार्षद अमरलाल गिदवाणी, उड़िया समाज के प्रधान किशोर महानन्द आदि सभी वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में विषय की महत्ता प्रतिपादित करते हुए छत्तीसगढ़ को देश का अनुकरणीय आदर्श राज्य बनाने हेतु सर्व समाज द्वारा मिलकर दायित्व निभाने का संकल्प किया।

सम्मेलन के आरंभ में, आयोजन पर प्रकाश डालते हुए साईं मसंद साहब ने बताया कि 25 दिसंबर की सुबह पता चला कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, जिन्हें छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माता भी कहा जाता है, की जन्म शताब्दी शुरू हो गई है। श्री वाजपेयी जी से उनका परिचय छप्पन साल पहले, 1969 में, महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान हुआ था। समय के साथ, उनसे स्नेह और सम्मान का रिश्ता गहरा होता गया। श्री वाजपेयी न केवल राष्ट्रीय हित से जुड़े उनके हर पत्र पर तुरंत कार्रवाई करते थे, बल्कि उन्हें की गई कार्रवाई के बारे में भी बताते थे। उन्होंने फैसला किया कि वे अपनी पीठ, मसन्द सेवाश्रम के

तत्वावधान में श्री वाजपेयी जी की जन्मशताब्दी अंतर्गत छत्तीसगढ़ के हित में कोई कारगर योजना शुरू कर उन्हें उचित श्रद्धांजलि देने की कोशिश करेंगे। उन्होंने बताया कि 1998 में छत्तीसगढ़ के बुद्धिजीवियों और स्वतंत्रता सेनानियों के संगठन ÷छत्तीसगढ़ संघर्ष मोर्चा÷ और कुछ अन्य संगठनों के नेतृत्व में चल रहे पृथक छत्तीसगढ़ राज्य आंदोलन के जोर पकड़ने के बाद, उन्होंने मई 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी को एक पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। कुछ दिनों बाद, श्री रमेश बैस, जो उस समय उनके मंत्रिमंडल में राज्य मंत्री थे, ने रायपुर स्थित अपने आवास पर एक मुलाकात के दौरान उन्हें बताया कि प्रधानमंत्री वाजपेयी ने उन्हें और उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को उनके पत्र की प्रतियां देकर उनसे पत्र के आधार पर एक प्रस्ताव तैयार करने और उसे लोकसभा में पारित करवाने के लिए कहा था। साईं मसंद साहब ने आगे बताया कि श्री रमेश बैस से यह जानकारी मिलने के बाद, 13 जून, 1999 को, उन्होंने अपने एक वरिष्ठ साथी, छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नद्रष्टा कहे जाने वाले डॉ. खूबचंद बघेल के भतीजे, स्वतंत्रता सेनानी डॉ. दुर्गा सिंह सिरमौर, जो कभी वर्धा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की निज सेवा में सेवारत रहे, के साथ दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भेंट की और नये राज्य निर्माण हेतु संवैधानिक आवश्यकता पूरी करवाने तत्सम्बंधी बिल विधानसभा में भी पारित करवाने का निवेदन किया। हमारे निवेदन को गंभीरता से स्वीकार करते हुए उन्होंने अगले दिन ही 14 जून को भोपाल से मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को दिल्ली बुलाया और कांग्रेस की मध्यप्रदेश राज्य प्रभारी महामंत्री महाराष्ट्र की सांसद डॉ. प्रभाराव से कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन सिंह की अध्यक्षता में हमारी विशेष उपस्थिति में बैठक आयोजित करवाकर इस संदर्भ में विधिवत प्रस्ताव पारित करवाया। सम्मेलन की सफलता में छत्तीसगढ़ क्षत्रिय कल्याण संगठन के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार गौतम, अ. भा. भोजपुरी साहित्य सम्मेलन छत्तीसगढ़ इकाई के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिशंकर मिश्रा, सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शुक्ला, चेटीचंड महोत्सव समिति, पुज्य सिंधी पंचायत लाखेनगर के अध्यक्ष मनूमल पृथवाणी, पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत महिला शाखा की प्रदेश अध्यक्ष दिशा रामाणी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जुही दरयाणी, पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत के महामंत्री, पूर्व पार्षद जितेंद्र बड़वानी, श्रीराम मंडली के संस्थापक, पूर्व पार्षद प्रेम बिरनाणी, उपाध्यक्ष लोकचंद भावनाणी, अमर शहीद हेमू कालाणी समिति के संयोजक अनेश बजाज, मसन्द सेवाश्रम के प्रवक्ता मयंक मसन्द, समाजसेवी अनूप मसन्द, समाजसेवी मोनू आहूजा, समाजसेवी आनन्द आईलवार, पूज्य जवाहर नगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष अर्जुनदास ओचवाणी, पूज्य शंकरनगर शांतिनगर सिंधी पंचायत के वरिष्ठ सलाहकार नामदेव मोरयाणी, पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शादीजा, टिकरापारा सिंधी पंचायत के संरक्षक झामनदास बजाज, पुराना राजेंद्रनगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष जी. गजवाणी, पूज्य सिंधी पंचायत देवेन्द्र नगर के उपाध्यक्ष राजकुमार सोनी, समाजसेवी संस्था ÷सेवा पथ÷ के संस्थापक पहलाज खेमाणी, सुदर्शन मैरिज ब्यूरो के महासचिव अजय बजाज एवं ÷एक पहल और÷ संस्था की अनेक बहनों का बड़ा योगदान रहा।